दिव्य ज्योति

'ज्योत से ज्योत जगाओ' का पद ६

जीवन मुक्तानन्द अविनाशी, [२X]
चरणन शरण लगाओ,
सद्गुरु ज्योत से ज्योत जगाओ ॥

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।